

अनुमुद्रण पुं. (तत्.) [अनु+मुद्रण] 1. प्रकाशित किसी विशिष्ट ग्रंथ या पत्रिका आदि के किसी अंश को अलग से छापने का कार्य 2. अनुमुद्रण से प्राप्त किये गए लेख आदि महत्वपूर्ण अंश autography off print

अनुमुद्रित वि. (तत्.) [अनु+मुद्रित] 1. अनुमुद्रण से प्राप्त किये गए लेख/निबंध/पत्र आदि दुबारा जिन लेखों आदि की छपाई की गई है, जैसे- 'संस्कृत मंजरी' पत्रिका में प्रकाशित निबंध की अनुमुद्रित प्रतियों की प्राप्ति।

अनुमेय वि. (तत्.) जिसे अनुमान से जाना जा सके, अनुमान के योग्य।

अनुमोदक वि. (तत्.) अनुमोदन करनेवाला, समर्थन करने वाला, समर्थक।

अनुमोदन पुं. (तत्.) 1. समर्थन, ठीक समझकर स्वीकार करना 2. प्रसन्नता की अभिव्यक्ति, खुश होना।

अनुमोदनाधीन वि. (तत्.) [अनुमोदन+अधीन] 1. किसी बात की स्वीकृति से पहले जिस पर विचार करना अभी और अपेक्षित हो 2. राज. किसी राजनयिक वार्ता के प्रसंग में दो या दो से अधिक पदों में से किसी पक्ष के प्रस्ताव से सहमति हो जाने पर भी अपनी सरकार से अनुमोदन मिल जाने के बाद ही वह स्वीकृति योग्य होता है।

अनुमोदनार्थ क्रि.वि. (तत्.) [अनुमोदन+अर्थ] 1. किसी संबंध में किसी से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए 2. सहमति या स्वीकृति हेतु जैसे- किसी प्रस्तावित विषय के अनुमोदनार्थ समिति की बैठक होना 2. छात्रों की छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को अनुमोदनार्थ राज्यपाल के पास भेजना।

अनुमोदित वि. (तत्.) 1. समर्थित, स्वीकृत, ठीक समझ कर स्वीकार किया हुआ 2. प्रसन्न किया हुआ।

अनुमोदय वि. (तत्.) [अनुमोद+च प्रत्यय] 1. जो (प्रस्ताव/विषय आदि) अनुमोदन के योग्य हो 2. जिसे अनुमोदन के योग्य माना गया हो 3.

जिसका मान्य अधिकारी या सरकार द्वारा अनुमोदन किया जा रहा हो जैसे- अनुमोदय विकास राशि।

अनुयाचन पुं. (तत्.) 1. किसी को समझा-बुझाकर किसी काम के लिए अनुरोध करना 2. किसी को अपने पक्ष में करने के लिए विनम्रता से कहना।

अनुयायिता स्त्री. (तत्.) [अनुयायि+ता] 1. अनुयायी होने का भाव या दशा 2. किसी का अनुयायी होना या अनुयायी होने का गुण होना।

अनुयायित्व पुं. (तत्.) दे. अनुयायिता।

अनुयायी वि. (तत्.) 1. अनुगामी, पीछे चलनेवाला, अनुकरण करनेवाला, किसी के विचार मानने वाला 2. अनुचर, सेवक।

अनुयोक्ता वि. (तत्.) पूछताछ करनेवाला, जिज्ञासा व्यक्त करनेवाला पुं. 1. परीक्षक, 2. अध्यापक।

अनुयोग पुं. (तत्.) 1. प्रश्न, जिज्ञासा, पूछताछ 2. प्रयत्न 3. विधि. किसी अधिकार की रक्षा या अधिकार की क्षति की पूर्ति के लिए न्यायालय की शरण जाना।

अनुयोज्य वि. (तत्.) (वह दावा) जिसके लिए न्यायालय की सहायता ली जा सके।

अनुरंजक वि. (तत्.) मन बहलानेवाला, प्रसन्न करनेवाला।

अनुरंजन पुं. (तत्.) 1. अनुराग, प्रीति, आसक्ति 2. दिल-बहलाव 3. रँगना।

अनुरंजित वि. (तत्.) आनंदित, अनुरागयुक्त।

अनुरक्त वि. (तत्.) 1. अनुरागयुक्त, प्रेममय, आसक्त, प्रेमी 2. प्रसन्न, संतुष्ट 3. लाल रंग का।

अनुरक्ति स्त्री. (तत्.) 1. आसक्ति 2. अनुराग, प्रेम, प्रीति 3. भक्ति।

अनुरक्षण पुं. (तत्.) किसी भवन, यंत्रोपकरण आदि के संस्थापन या क्रय के बाद उस का रख-रखाव या देखरेख। maintenance

अनुरणन पुं. (तत्.) किसी ध्वनि या नाद की ध्वनि-तरंगों का परावर्तित होकर कुछ देर तक